दिल्ली में एक पाकिस्तानी जासूस का गिरफ्तार किया जाना

590. **श्री नंजा गौडर** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 'वीर अर्जुन' के 10 अगस्त 1967 के अंक में छपी यह खबर सही है कि दिल्ली में एक व्यक्ति को जो तथाकथित सैनिक अधिकारी अथवा पाकिस्तानी जासूस था, गिरफ्तार किया गया है; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या अग्रेतर कार्यवाही की है?

गृह कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) और (ख). एक व्यक्ति को सैनिक अस्पताल के अधिकारियों द्वारा इस आधार पर पुलिस को सौंपा गया था कि उसने, अस्पताल के एक मानसिक वार्ड में उपचार के लिए एक इनडोर पेशेंट के तौर पर एक बावर्दी सैनिक अधिकारी का रूप-धारण करके दाखिला प्राप्त किया था। दिल्ली पुलिस ने एक मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 420 और 170 के अधीन दर्ज किया है; जिसकी जांच जारी है। अभी तक ऐसी कोई बातें प्रकाश में नहीं आयीं जिसका सुरक्षा से सम्बन्ध हो। यह सन्देह किया जाता है कि उक्त व्यक्ति का शायद दिमाग ठीक नहीं है।

I.A.C EXPERTS TO TRAIN ARIANA AFGHAN AIRLINES PERSONNEL

592. SHRI K. N. PANDEY :
SHRI BEDABRATA BARUA :

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether the I. A. C. has sent experts to train the personnel of the Ariana Afghan Airlines; and

(b) if so, the nature of the training to given and the name of the party bearing the expenses ?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

FLYING SAUCER

593. SHRI K. N. PANDEY :
SHRI P. VISWAMBHARAN :

Will the Minister of EDUCATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a mysterious saucershaped flying object landed in a running stream close to the Dak Bungalow of Dympep village about 16 miles from Shillong recently;

(b) whether any scientific investigation has been made in this regard; and

(c) if so, the result thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION (SHRI BHAGWAT JHA AZAD) : (a) According to a report received from the Government of Assam, no mysterious space object like a flying saucer landed near Shillong, but there was a local meteorological phenomenon of high intensity.

(b) and (c). Do not arise.

INDIA-THAILAND AIR AGREEMENT

594. SHRI K. N. PANDEY :
SHRI SRINIBAS MISRA :
SHRI MOHAN SWARUP :
SHRI BEDABRATA BARUA :
SHRI D. N. DEB :

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that India and Thailand have decided to terminate the flights of their national airlines between the two countries with effect from the 1st November, 1967; and

(b) if so, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH): (a) and (b). In accordance with the provisions of the agreement Government of Thailand gave 12 months' notice of termination of the subsisting agreement between Thailand and India in September 1966. Negotiations were accordingly held at Bangkok in September, 1967, between the delegations of Government of India and the Government of Thailand. No agreement was reached at these negotiations, but the currency of the subsisting agreement was extended by another month. Further negotiations between

the delegations of the two Governments were held again in Bangkok in October, 1967. Since this second round of negotiation also failed to result in an agreement, the services of Air-India to Thailand and of Thai-Airlines to India were terminated with effect from 1st November 1967.

MONOPOLY RIGHT TO MESSRS AKOOJI IN NICOBAR ISLANDS

595. SHRI P. GOPALAN : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government have granted extension to Messrs. Akooji for monopoly right to trade in Nicobar Groups of Islands;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether Government have received any representation for the cancellation of the trade right; and

(d) if so, the steps taken by Government in this direction ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) to (d). Messrs Akoojees were granted licence by the Chief Commissioner, Andaman and Nicobar Islands to carry on trade in the Nicobar group of Islands. Their licences expired on the 30th June, 1967 and 30th September, 1967 and have not been renewed. However, Messrs. Akoojees have filed a writ in the Calcutta High Court and the matter is *sub-judice*.

तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये उम्मीदवार

596. श्री भोगेन्द्र झा: क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार के विश्वविद्यालयों द्वारा परिणामों की घोषणा देर से करने के कारण तकनीकी प्रशिक्षण कार्य-क्रम, 1967 के लिए बिहार से कोई भी उम्मीदवार नहीं चुना गया; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार बिहार राज्य से भी कुछ उम्मीदवार लेगी जिससे उस राज्य के उम्मीदवारों की बिल्कुल अवहेलना न हो ?

शिक्षा मंत्री (डा० त्रिगुण सेन) : (क) जी हां।

(ख) जी नहीं। इस वर्ष बिहार के उम्मीदवार को चुनना संभव नहीं है क्योंकि प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत समय पहले शुरु हो चुका है।

उपकुलपतियों का सम्मेलन

597. श्री भोगेन्द्र झा : क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अभी हाल में देश के विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों का सम्मेलन 5 वर्ष बाद हुआ है जबकि यह निर्णय किया गया था कि यह सम्मेलन प्रति वर्ष हुआ करेगा;

(ख) यदि हां, तो इतनी अवधि के पश्चात इस सम्मेलन के होने के क्या कारण हैं तथा क्या यह निश्चय किया गया है कि भविष्य में यह सम्मेलन प्रति वर्ष हुआ करेगा; और

(ग) इस सम्मेलन में क्या मुख्य मुख्य निर्णय किये गये ?

शिक्षा मंत्री (डा० त्रिगुण सेन) : (क) जी, हां।

(ख) 1960 से 1962 तक यह सम्मेलन प्रीत्वर्ष हुआ था। चीन के साथ संघर्ष के बाद राष्ट्रीय आपात स्थिति के कारण 1963 और 1964 में यह सम्मेलन नहीं हुआ था। यह 1965 में भी नहीं हुआ था क्योंकि शिक्षा आयोग की रिपोर्ट की प्रतीक्षा थी। इस रिपोर्ट पर विचार करने के लिए दिसम्बर, 1966 में यह सम्मेलन होने वाला था परन्तु तब शिक्षा मंत्री की आकस्मिक बीमारी के कारण स्थगित कर दिया गया था।

अब प्रस्ताव है कि यह सम्मेलन हर दो वर्ष के बाद किया जाए।

(ग) सम्मेलन द्वारा उसके अन्तिम अधिवेशन में सर्वसम्मति से स्वीकृत वक्तव्य की एक प्रति सभा पटल पर रख दी गई है। **[पुस्तकालय में रख दी गई देखिए संख्या LT—1556/67]**